ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–५४
दिनांक– मंगलवार, १३ जुलाई, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 33.6 एवं 26.3 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 83 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 80 प्रतिशत, हवा की औसत गति 9.0 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.2 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 5.6 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 31.4 एवं दोपहर में 38.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 15.2 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(14–18 जुलाई, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 14–18 जुलाई, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- उत्तर बिहार के जिलों में अगले १५ जुलाई तक कहीं–कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। इस अवधि में अच्छी वर्षा की सम्भावना नहीं है। १५ जुलाई के बाद अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। १७–१८ जुलाई को अधिकांश जिलों में मेघ गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की सम्भावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 33–36 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 25–27 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 75 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में मुख्यतः पूरवा हवा औसतन 10 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- आकाशीय बिजली की सम्भावना को देखते हुए किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि मेघ गर्जन के समय पेड़ के नीचे आश्रय न लें।
- जिन किसानों के पास धान का विचड़ा तैयार हो वे नीची तथा मध्यम जमीन में वर्षा जल का संग्रह करने के लिए मेड़ों को मजबूत बनाने का कार्य करें तथा धान की रोपनी करें। धान की रोपाई के समय उर्वरकों का व्यवहार सदैव मिट्टी जाँच के आधार पर करें। यदि मिट्टी जाँच नहीं कराया गया हो तो मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाष के साथ २५ किलोग्राम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्म प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की रोपाई प्राथमिकता के आधार पर करें। मध्यम एवं लम्बी अवधि की किस्मों के लिए ३० किलोग्राम नेत्रजन, ६० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटाश के साथ २५ किलोगाम जिंक सल्फेट या १५ किलोग्म प्रति हेक्टर चिलेटेड जिंक का व्यवहार करें।
- धान की फसल में खरपतवार नियंत्रण के लिए रोपाई के २–३ दिन बाद तथा एक सप्ताह के अन्दर ब्यूटाक्लोर (३ लीटर दवा प्रति हेक्टेयर) या प्रीटलाक्लोर (१.५ लीटर दवा प्रति हेक्टर) या पेन्डीमिथेलीन (३ लीटर दवा प्रति हेक्टर) का ५००–६०० लीटर पानी मे घोल बनाकर एक हेक्टर क्षेत्र में छिड़काव करें। छिड़काव के वक्त खेत में एक से०मी० पानी की उपस्थिति रहनी चाहिए।
- उँचास जमीन में अरहर की बुआई करें। उपरी जमीन में बुआई के समय प्रति हेक्टेयर २० किलो नेत्रजन, ४५ किलो स्फुर,२० किलो पोटाश तथा २० किलो सल्फर का व्यवहार करें। बहार, पूसा ९, नरेंद्र अरहर १, मालवीय–१३, राजेन्द्र अरहर–१ आदि किस्में बुआई के लिए अनुशसित है। बीज दर १८–२० किलो प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के २४ घंटे पूर्व २.५ ग्राम थीरम दवा से प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचार करे। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई करनी चाहिए।
- किसान भाई अपने पसंद के अनुसार अलग–अलग समय में पकने वाली किस्मों का चयन कर सकते हैं। मई के अन्त से जुन माह में पकने वाली किस्में मिठुआ, गुलाबखास, बम्बई, एलफॉन्जों, जड़दालू, जून माह में पकने वाली किस्में लंगड़ा (मालदह), हेमसागर, कृष्णभोग, अमन दशहरी, जुलाई माह में पकने वाली किस्में फजली, सुकुल, सिपिया, तैमूरिया, अगस्त में पकने वाली किस्में समरबहिश्त, चौसा, कतिकी है। आम के संकर किस्मों के लिए महमूद बहार, प्रभाशंकर, अम्रपाली, मल्लिका, मंजीरा, मेनिका, सुन्दर लंगड़ा राजेंद्र आम–१, रत्ना, सबरी, जवाहर, सिंधु, अर्का, अरुण, मेनका, अलफजली, पूसा अरुणिमा आदि अनुशंसित है। कलमी आम के लिए पौधा से पौधा की दूरी १० मीटर, बीजु के लिए १२ मीटर रखें। आम्रपाली किस्म की सघन बागवानी हेतु पौधों को २.५ X २.५ मीटर की दूरी पर लगा सकतें हैं।
- केला की रोपाई करें। उत्तर बिहार में लम्बी किस्मों के लिए अलपान, चम्पा, कंथाली, मालभोग, चिनियाँ, शक्कर चिनियाँ, फिआ–२३ तथा बौनी एवं खाने वाली किस्मों के लिए ग्रैडनेन, रोबस्टा, बसराई, फिआ–१ अनुशंसित है। सब्जी वाली किस्में बतीसा, सावा, बनकेल, कचकेल, फिआ–३ तथा सब्जी एवं फल दोनों में उपयोग आने वाली किस्में कोठियाँ, मुठियाँ, दुधसागर एवं चकिया अनुशंसित है। लम्बी जातियों में पौधा से पौधा की दुरी २.० मीटर है एवं बौनी जातियों में १.५ मीटर रखें।
- लीची के लिए, मई के अन्त में पकने वाली किस्में जैसे देशी, शाही, अर्ली वेदाना, देहरारोज, पूर्वी तथा रोज सेण्टेड, जून के आरंभ में पकने वाली किस्में जैसे– कसवा, सबौर वेदाना, चाईना तथा लेट बेदाना, जून के मध्य में पकने वाली किस्में जैसे– कसैलिया, लौंगिया, स्वर्णरुपा, सबौर मधु, सबौर प्रिया आदि हैं। उपजाऊ मिट्टी में १०X१० मीटर की दुरी पर पौधों की रोपाई करें।
- किसान भाई गौशाला में रात के समय नीम की पत्तियों का धुआं करें ताकि मच्छर तथा मक्खियों के प्रवेश पर नियंत्रण हो सके। पशुओं के निवास स्थान की साफ–सफाई करते रहे।

आज का अधिकतम तापमानः 35.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 26.5 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.6 डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी